

इवीएम के खुलते ही आज झारखंड से दिल्ली को खुलेगी संसद एक्सप्रेस

जनादेश 2024 के लिए आज निकलेगा इवीएम से जिन्न
एनडीए और इंडिया के प्रत्याशियों पर लगा ग्रहण आज होगा साफ
लोकसभा का चुनाव लड़ रहे 244 प्रत्याशियों में 14 जायेंगे दिल्ली



देशभर में 8360 उम्मीदवारों ने चुनाव में आजमायी है किस्मत, सिर्फ 543 का ही होगा मंगल

एनडीए और इंडिया के प्रत्याशियों पर लगा ग्रहण है। मंगलवार को इनमें से सिर्फ 543 का ही मंगल होगा। आज इवीएम के खुलते ही झारखंड से

सुबह 8 बजे से मतगणना शुरू होगी और 9 बजे तक रुक्धान आने लगेंगे। दोपहर तक तस्वीर लगभग सफ हो जाएगी कि इस बार जनता ने दिल्ली के सिंहासन के लिए किसे चुना है। एनडीए जाकरी के सभी लोकसभा सीटों की बोटों की गिनती के लिए नैरोगी पूरी कर ली गई है। सभी लोकसभा क्षेत्र के लिए विधानसभावार हॉल में कार्डिंग टेबल लगाये गये हैं। इनमें कुल 81 हॉल में 1492

शामिल हैं। लोकसभा चुनाव लड़ने वाले सभी प्रत्याशियों की सोमवार तीर बैठेंगी। राज्य निर्वाचन कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार झारखंड के सभी लोकसभा सीटों की बोटों की गिनती के लिए नैरोगी चल चंद घंटों में पाता चल जायेगा। झारखंड का 14 लोकसभा क्षेत्र के लिए विधानसभावार हॉल में कार्डिंग टेबल लगाये गये हैं। इनमें कुल 244 प्रत्याशियों की प्रतिष्ठा दावे पर लगी है। इनमें कई दिग्गजों के दो दर्जन से अधिक दिग्गजों का जनादेश भी इवीएम में कैद हो गया। चुनाव खत्म होने के बाद से ही शामिल हैं।

झारखंड के राजनेता चैन की नींद नहीं सो पा रहे हैं। अंदर ही अंदर कईयों को हार का डर सता रहा है। इनमें सभी उराव, सुखेव बृतान, अरुण मुंडा, काली चरण सुरेन, निश्चिकांत दुबे, प्रदीप यादव, गोता कोडा, जोवा मंडी, सीपी चौधरी, मथुरा महतो, काली चरण सिंह और केसन त्रिपाठी सरीखे नेता शामिल हैं।

एग्जिट पोल को लेकर इंडिया और एनडीए के बीच ठनी, एक-दूसरे पर कर रहे प्रहार, चुनाव आयोग भी निशाने पर

एक्जिट पोल झूठ का पुलिंदा, लोकतंत्र में मीडिया निभाए अपनी भूमिका : कांग्रेस

खबर मन्त्र व्यूह

रांची। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने देश के बड़े मीडिया घरानों के द्वारा जारी किये गये एक्जिट पोल को सत्य और तथ्य से परे करार दिया है। उन्होंने कहा कि अब तो अति ही गया है, अब समय आ गया, देश के बड़े मीडिया घराने अब तो अपनी भूमिका अदा करें, यह तय करें कि वह लोकतांत्रिक देश में जनता के साथ है या फिर किसी विशेष पार्टी, सट्टा बाजार और पूजीपतियों के साथ।

उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि प्रमुख मीडिया घरानों के द्वारा जारी एक्जिट पोल के फैटक ही उस पर स्वातं खड़ा कर रहा है। उदाहरण स्वरूप झारखंड में गठबंधन के तहत माले केवल कोडप्राप्त सीट पर चुनाव लड़ रहा है मगर एक्जिट पोल इन्हें दो से तीन सीट दिखा रहा है। ठीक इसी प्रकार से तमिलनाडु में कांग्रेस के अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने एक भी मुद्दे की बात नहीं की। देश में व्यापक महागांड़, बेरोजगारी पर कोई भी आपास का नेता या उत्के पीपूल नरेंद्र मोदी और उनकी टीम ने विश्वास दिया है एवं मुद्दाविहन आधार पर चलाया। इसलिए हम वह कह सकते हैं कि परिणाम हमारे पक्ष में आएगा और 4 जून के बाद दिल्ली में इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी।



मतगणना के बाद देश में इंडी गठबंधन की बनेगी सरकार

राजेश ठाकुर ने कहा कि इंडिया गठबंधन और कांग्रेस पूरा चुनाव मुद्दे के आधार पर लड़ा। जबकि भाजपा और प्रधानमंत्री ने पूरे चुनाव अधियान में एक भी मुद्दे की बात नहीं की। देश में व्यापक महागांड़, बेरोजगारी पर कोई भी आपास का नेता या उत्के पीपूल नरेंद्र मोदी और उनकी टीम ने विश्वास दिया है एवं मुद्दाविहन आधार पर चलाया। इसलिए हम वह कह सकते हैं कि परिणाम हमारे पक्ष में आएगा और 4 जून के बाद दिल्ली में इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी।

तहत 9 सीट पर चुनाव लड़ रही है, वहाँ भी कांग्रेस को 13-15 सीट दिखाया जा रहा है। अब ऐसे में कैसे इस एक्जिट पोल पर प्रदेश कांग्रेस महाविधि अमृत्यु नीरज खलको, मीडिया चेयरमैन सतीश पाल मूर्जीनी, प्रवक्ता सोनाल शांति, कमल ठाकुर, सोशल मीडिया चेयरमैन गजेंद्र तय करनी चाहिए नहीं तो वह लोकतंत्र नहीं बचेगा।

एक्जिट पोल के जरिए अफसरों पर बनाया जा रहा है दबाव

प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि जिस प्रकार से मोदी जी बॉयलिंगिकल नहीं हैं, उसी प्रकार से एक्जिट पोल भी है। वह एक्जिट पोल एक ऐसे प्राप्तिक्रिया है, इसके लिए देशभर के अफसरों पर दबाव बनाया जा रहा है। श्री ठाकुर ने कहा कि उन्हें डराया-धमकाया जा रहा है, एक सायकोलॉजिकल प्रेशर बनाने के लिए यह प्री-प्लांट एक्जिट पोल है। उमीद करते हैं कि चुनाव आयोग का टारगेट किया जा रहा है। एक्जिट पोल पर इसको विश्वास नहीं है लेकिन अब तो इनको राजनीतिक रूप से देश की जनता एक्जिट करवाने वाली है। वहाँ पर नेतृत्व में एक और बड़ी हार को झेलने जा रहा है। श्री शाहदेव ने कहा कि तमाम एक्जिट पोल बता रहे हैं कि एनडीए गठबंधन 400 सीटों के अंकड़े को छूपीं या पार करेंगे। वही एक्जिट पोल ईंटर्व्यू गठबंधन को 80 से 140 सीट तक दे रहे हैं। अब कांग्रेस स्पष्ट करे कि वे अपनी दो दावे को अन्य लोगों के नेतृत्व में बनाने जा रही हैं। मीडिया को टारगेट किया जा रहा है। श्री ठाकुर ने कहा कि उन्हें डराया-धमकाया जा रहा है, एक सायकोलॉजिकल प्रेशर बनाने के लिए यह प्री-प्लांट एक्जिट पोल है। उमीद करते हैं कि चुनाव आयोग की टारगेट पर प्रसन किया जा रहा है। एक्जिट पोल पर इसको विश्वास नहीं है लेकिन अब तो इनको राजनीतिक रूप से देश की जनता एक्जिट करवाने वाली है। वहाँ पर नेतृत्व में एक और बड़ी हार को झेलने जा रहा है। श्री शाहदेव ने कहा कि तमाम एक्जिट पोल बता रहे हैं कि एनडीए गठबंधन 400 सीटों के अंकड़े को छूपीं या पार करेंगे। वही एक्जिट पोल ईंटर्व्यू गठबंधन को 80 से 140 सीट तक दे रहे हैं। अब कांग्रेस स्पष्ट करे कि वे अपनी दो दावे को अन्य लोगों के नेतृत्व में बनाने जा रही हैं। मीडिया को टारगेट किया जा रहा है। श्री ठाकुर ने कहा कि उन्हें डराया-धमकाया जा रहा है, एक सायकोलॉजिकल प्रेशर बनाने के लिए यह प्री-प्लांट एक्जिट पोल है। उमीद करते हैं कि चुनाव आयोग की टारगेट पर प्रसन किया जा रहा है। एक्जिट पोल पर इसको विश्वास नहीं है लेकिन अब तो इनको राजनीतिक रूप से देश की जनता एक्जिट करवाने वाली है। वहाँ पर नेतृत्व में एक और बड़ी हार को झेलने जा रहा है। श्री शाहदेव ने कहा कि तमाम एक्जिट पोल बता रहे हैं कि एनडीए गठबंधन 400 सीटों के अंकड़े को छूपीं या पार करेंगे। वही एक्जिट पोल ईंटर्व्यू गठबंधन को 80 से 140 सीट तक दे रहे हैं। अब कांग्रेस स्पष्ट करे कि वे अपनी दो दावे को अन्य लोगों के नेतृत्व में बनाने जा रही हैं। मीडिया को टारगेट किया जा रहा है। श्री शाहदेव ने कहा कि तमाम एक्जिट पोल बता रहे हैं कि एनडीए गठबंधन 400 सीटों के अंकड़े को छूपीं या पार करेंगे। वही एक्जिट पोल ईंटर्व्यू गठबंधन को 80 से 140 सीट तक दे रहे हैं। अब कांग्रेस स्पष्ट करे कि वे अपनी दो दावे को अन्य लोगों के नेतृत्व में बनाने जा रही हैं। मीडिया को टारगेट किया जा रहा है। श्री शाहदेव ने कहा कि तमाम एक्जिट पोल बता रहे हैं कि एनडीए गठबंधन 400 सीटों के अंकड़े को छूपीं या पार करेंगे। वही एक्जिट पोल ईंटर्व्यू गठबंधन को 80 से 140 सीट तक दे रहे हैं। अब कांग्रेस स्पष्ट करे कि वे अपनी दो दावे को अन्य लोगों के नेतृत्व में बनाने जा रही हैं। मीडिया को टारगेट किया जा रहा है। श्री शाहदेव ने कहा कि तमाम एक्जिट पोल बता रहे हैं कि एनडीए गठबंधन 400 सीटों के अंकड़े को छूपीं या पार करेंगे। वही एक्जिट पोल ईंटर्व्यू गठबंधन को 80 से 140 सीट तक दे रहे हैं। अब कांग्रेस स्पष्ट करे कि वे अपनी दो दावे को अन्य लोगों के नेतृत्व में बनाने जा रही हैं। मीडिया को टारगेट किया जा रहा है। श्री शाहदेव ने कहा कि तमाम एक्जिट पोल बता रहे हैं कि एनडीए गठबंधन 400 सीटों के अंकड़े को छूपीं या पार करेंगे। वही एक्जिट पोल ईंटर्व्यू गठबंधन को 80 से 140 सीट तक दे रहे हैं। अब कांग्रेस स्पष्ट करे कि वे अपनी दो दावे को अन्य लोगों के नेतृत्व में बनाने जा रही हैं। मीडिया को टारगेट किया जा रहा है। श्री शाहदेव ने कहा कि तमाम एक्जिट पोल बता रहे हैं कि एनडीए गठबंधन 400 सीटों के अंकड़े को छूपीं या पार करेंगे। वही एक्जिट पोल ईंटर्व्यू गठबंधन को 80 से 140 सीट तक दे रहे हैं। अब कांग्रेस स्पष्ट करे कि वे अपनी दो दावे को अन्य लोगों के नेतृत्व में बनाने जा रही हैं। मीडिया को टारगेट किया जा रहा है। श्री शाहदेव ने कहा कि तमाम एक्जिट पोल बता रहे हैं कि एनडीए गठबंधन 400 सीटों के अंकड़े को छूपीं या पार करेंगे। वही एक्जिट पोल ईंटर्व्यू गठबंधन को 80 से 140 सीट तक दे रहे हैं। अब कांग्रेस स्पष्ट करे कि वे अपनी दो दावे को अन्य लोगों के नेतृत्व में बनाने जा रही हैं। मीडिया को टारगेट किया

नयी सटकार

दे श में आज एक नयी सरकार को चुन लिया जाएगा। लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत चुनी हुई सरकार से लोकहित की उम्मीद की जाती है। चुनाव पूर्व सर्वेक्षणों में राजग की सरकार को फिर से बड़ी बहुमत से आग बताया जा रहा है किंवदं गठबंधन का दावा 295 सीटों पर जीत दर्ज कर सरकार बनाने का है। जो उपर्याद शिक्षा, स्वस्थ्य और न्याय को मुलभ और सस्ता बनाने की होगी। रोजगार और विधि व्यवस्था बेहर करने की भी होती है। नयी सरकार अपना बजट भी प्रस्तुत करेगी और आगे बाले दिनों में वह आप लोगों के कल्याण के लिये चाहु कुछ करने वाली है इसका भी संकेत देंगी। देश की 140 करोड़ जीतों में आज भी 100 करोड़ लोग समाज जीवन जीते हैं और देश के लिये उनकी आय में वृद्धि सबसे आवश्यक है। देश में तीसरी आर्थिक तकत बनाने का रासायन अग्र चंद्र पूर्जितयों को संपन्न बनाने के लिये वहाँ तो यह व्यवस्था लंबी समय तक टिके रहेंगे वाली होगी। आज देश में पूँजी का असमान वितरण और असीमी का और अमीर होना तथा गरीबों की निर्धनता का बढ़ना सबसे बड़ी समस्या है। भारत की लोकतांत्रिक सरकारें अब तक सच स्वीकारने से भागीदारी ही है। सरकार की मूल प्रवृत्ति भी कल्याणकारी बनी रहे वह आज की सरकार से उम्मीद की जीती है। भारत उन देशों में जाते हैं उनसे देश की ही ऐसी भी होता है। निजीकरण या तो तेज किया जाए या सरकारीकरण को तकतवर बनाया जाए। जो भी नियंत्रण हो सरकार नियंत्रण करने वाली हो। रोजगार और समृद्धि फैले।

केदारनाथ तक रेल?

रे रेल विकास निगम लिमिटेड (आर्याएनएल) केदारनाथ धाम तक बड़ी रेल लाइन बिछाने के पश्च में नहीं है। आर्याएनएल 73,000 करोड़ रुपये की लागत से तैयार होने वाली 'चार धाम रेल परियोजना' की क्रियावाचन एंजेंसी है। आठ साल तक इस क्षेत्र का सर्वेक्षण और अध्ययन करने के बाद आर्याएनएल ने एक आंतरिक समीक्षा रिपोर्ट में कहा है कि केदारनाथ तक रेल पटरी बिछाने में कृष्ण तकीकों की छिठनाइयाँ हैं और खर्च भी बहुत आगाह। इससे कोई सामरिक मकसद भी पूरा नहीं हो पाया। इससे कोई सामरिक मकसद भी पूरा नहीं हो पाया। इसके लिए प्रधानमंत्री और भारतीय सेना की समरिक जरूरतों को देखते हुए वह बड़ी रेल लाइन बिछाने के लिए काफी महत्वपूर्ण है। यह परियोजना शुरू करने का विचार 2014 में आया था। परियोजना के 2015 किलोमीटर लंबी रेल लाइन बिछाने की योजना है। यह लाइन सुरंगों, पुलों और पाहाड़ी क्षेत्रों में तीव्र ढाल से होते हुए यमुनों, गंगों, केदारनाथ और बदरीनाथ को जोड़ेगी। ये सभी स्थान उत्तराखण्ड में हैं। अंतिम निर्णय तक पहुँचने के लिए सर्वेक्षण करने की जिम्मेदारी तुर्की की एक कंपनी को 2018 में सौंपी गई थी। कंपनी ने इस पूरे क्षेत्र का विस्तृत अध्ययन करने के बाद अपनी अंतिम रिपोर्ट हाल में नकारात्मक रिपोर्ट सौंप दी। चार धाम रेल परियोजना दुरुनिया की सबसे महत्वाकांक्षी एवं चुनावीपूर्ण रेलवे परियोजना है। लेकिन जिस प्रकार वर्क का प्रभाव साल दर साल बढ़ रहा है उसका एक पूर्वानुमान आवश्यक है। और इस योजना के सफल होने न होने की इमानदार अनुमान आवश्यक है। योगी अमीरी के केदारनाथ धाम रेल परियोजना को लेकिन वह तो भाग्यहीन है न कि परयन स्थल। इस बात का खाल अवश्य रखा जाना चाहिए। आदि शंकराचार्य की समाधि और पांडुओं का हिमविलय का स्थल सामान्य स्थल नहीं हो सकता और पहले भी इस स्थल का प्रकोप दिया है।

ओंकार सतनाम

धर्म-प्रवाह

साध्या मनीषा

सच्चे गुरु नानक देव जी कहते हैं कि हक्मिं रजाइं चलाणा नानक तिखिअ आ नाल। जो लिखा है वह आगे था। इत्तिहाम न उसने बाजार में से एक गुलाम खरीदा। गुलाम बड़ा स्वस्थ, तेजस्वी था। इत्तिहाम उसे घर लाया। इत्तिहाम न उसके प्राण में पड़ गया। आमीं बड़ा प्राप्तवासाती था।

इत्तिहाम ने पूछा : तु क्या पहनना, क्या खाना पसंद करता है ? उसने कहा, मेरी क्या पसंद ? मालिक मजीं में राजी हो, जब तुक्करी के खिलाए, खाऊंगा। इत्तिहाम ने पूछा कि तोरा नाम क्या है ? हम क्या नाम लेकर तुक्के पुकारें ? उसने कहा, मालिक की जो मजीं। मेरा कैसी मजीं, वो जैसा रखेंगे वैसा रहूंगा।

इत्तिहाम ने पूछा : तु क्या रहना पसंद करेगा ? तो उस गुलाम ने मुकुरा कर कहा, मालिक की जो मजीं। मेरी कैसी मजीं, वो जैसा रखेंगे वैसा रहूंगा।

इत्तिहाम ने पूछा : तु क्या पहनना, क्या खाना पसंद करता है ? उसने कहा, मेरी क्या पसंद ? मालिक मजीं में राजी हो, जब तुक्करी के खिलाए, खाऊंगा। इत्तिहाम ने पूछा कि तोरा नाम क्या है ? हम क्या नाम लेकर तुक्के पुकारें ? उसने कहा, मालिक की जो मजीं। मेरा कैसी मजीं ? दास कोई नाम होता है ? वो जो नाम दे खी अच्छा। आखिर यही ओंकार सतनाम। इसे एक घटना से इस प्रकार समझें। ऐसा हुआ कि बल्ख का एक नवाब था।

इत्तिहाम ने पूछा : तु क्या रहना होगा ? अपनी तरफ से कुछ भी करने का प्रयाप नहीं है। किंवदं परिवर्तन नहीं हो सकता। फिर चिंता किसको ? जब तुम बदलना ही नहीं चाहते कुछ, तब तुम बदलना ही नहीं हो सकता।

इत्तिहाम ने पूछा : तु क्या रहना होगा ? अपनी तरफ से कुछ भी करने का प्रयाप नहीं है। किंवदं परिवर्तन नहीं हो सकता। फिर चिंता किसको ? जब तुम बदलना ही नहीं चाहते कुछ, तब तुम बदलना ही नहीं हो सकता।

इत्तिहाम ने पूछा : तु क्या रहना होगा ? अपनी तरफ से कुछ भी करने का प्रयाप नहीं है। किंवदं परिवर्तन नहीं हो सकता। फिर चिंता किसको ? जब तुम बदलना ही नहीं चाहते कुछ, तब तुम बदलना ही नहीं हो सकता।

इत्तिहाम ने पूछा : तु क्या रहना होगा ? अपनी तरफ से कुछ भी करने का प्रयाप नहीं है। किंवदं परिवर्तन नहीं हो सकता। फिर चिंता किसको ? जब तुम बदलना ही नहीं चाहते कुछ, तब तुम बदलना ही नहीं हो सकता।

इत्तिहाम ने पूछा : तु क्या रहना होगा ? अपनी तरफ से कुछ भी करने का प्रयाप नहीं है। किंवदं परिवर्तन नहीं हो सकता। फिर चिंता किसको ? जब तुम बदलना ही नहीं चाहते कुछ, तब तुम बदलना ही नहीं हो सकता।

इत्तिहाम ने पूछा : तु क्या रहना होगा ? अपनी तरफ से कुछ भी करने का प्रयाप नहीं है। किंवदं परिवर्तन नहीं हो सकता। फिर चिंता किसको ? जब तुम बदलना ही नहीं चाहते कुछ, तब तुम बदलना ही नहीं हो सकता।

इत्तिहाम ने पूछा : तु क्या रहना होगा ? अपनी तरफ से कुछ भी करने का प्रयाप नहीं है। किंवदं परिवर्तन नहीं हो सकता। फिर चिंता किसको ? जब तुम बदलना ही नहीं चाहते कुछ, तब तुम बदलना ही नहीं हो सकता।

इत्तिहाम ने पूछा : तु क्या रहना होगा ? अपनी तरफ से कुछ भी करने का प्रयाप नहीं है। किंवदं परिवर्तन नहीं हो सकता। फिर चिंता किसको ? जब तुम बदलना ही नहीं चाहते कुछ, तब तुम बदलना ही नहीं हो सकता।

इत्तिहाम ने पूछा : तु क्या रहना होगा ? अपनी तरफ से कुछ भी करने का प्रयाप नहीं है। किंवदं परिवर्तन नहीं हो सकता। फिर चिंता किसको ? जब तुम बदलना ही नहीं चाहते कुछ, तब तुम बदलना ही नहीं हो सकता।

इत्तिहाम ने पूछा : तु क्या रहना होगा ? अपनी तरफ से कुछ भी करने का प्रयाप नहीं है। किंवदं परिवर्तन नहीं हो सकता। फिर चिंता किसको ? जब तुम बदलना ही नहीं चाहते कुछ, तब तुम बदलना ही नहीं हो सकता।

इत्तिहाम ने पूछा : तु क्या रहना होगा ? अपनी तरफ से कुछ भी करने का प्रयाप नहीं है। किंवदं परिवर्तन नहीं हो सकता। फिर चिंता किसको ? जब तुम बदलना ही नहीं चाहते कुछ, तब तुम बदलना ही नहीं हो सकता।

इत्तिहाम ने पूछा : तु क्या रहना होगा ? अपनी तरफ से कुछ भी करने का प्रयाप नहीं है। किंवदं परिवर्तन नहीं हो सकता। फिर चिंता किसको ? जब तुम बदलना ही नहीं चाहते कुछ, तब तुम बदलना ही नहीं हो सकता।

इत्तिहाम ने पूछा : तु क्या रहना होगा ? अपनी तरफ से कुछ भी करने का प्रयाप नहीं है। किंवदं परिवर्तन नहीं हो सकता। फिर चिंता किसको ? जब तुम बदलना ही नहीं चाहते कुछ, तब तुम बदलना ही नहीं हो सकता।

इत्तिहाम ने पूछा : तु क्या रहना होगा ? अपनी तरफ से कुछ भी करने का प्रयाप नहीं है। किंवदं परिवर्तन नहीं हो सकता। फिर चिंता किसको ? जब तुम बदलना ही नहीं चाहते कुछ, तब तुम बदलना ही नहीं हो सकता।

इत्तिहाम ने पूछा : तु क्या रहना होगा ? अपनी तरफ से कुछ भी करने का प्रयाप नहीं है। किंवदं परिवर्तन नहीं हो सकता। फिर चिंता किसको ? जब तुम बदलना ही नहीं चाहते कुछ, तब तुम बदलना ही नहीं हो सकता।

इत्तिहाम ने पूछा : तु क्या रहना होगा ? अपनी तरफ से कुछ भी करने का प्रयाप नहीं है। किंवदं परिवर्तन नहीं हो सकता। फिर चिंता किसको ? जब तुम बदलना ही नहीं चाहते कुछ, तब तुम बदलना ही नहीं हो सकता।

इत्तिहाम ने पूछा : तु क्या रहना होगा ? अपनी तरफ से कुछ भी करने का प्रयाप नहीं है। किंवदं परिवर्तन नहीं हो सकता। फिर चिंता किसको ? जब तुम बदलना ही नहीं चाहते कुछ, तब तुम बदलना ही नहीं हो सकता।

इत्तिहाम ने पूछा : तु क्या रहना होगा ? अपनी तरफ से कुछ भी करने का प्रयाप नहीं है। किंवदं परिवर्तन नहीं हो सकता। फिर चिंता किसको ? जब तुम बदलना ही नहीं चाहते कुछ, तब तुम बदलना ही नहीं हो सकता।

इत्तिहाम ने पूछ



आज रहेगा ड्राई

जमशेदपुर। मतगणना की तिथि 04 जून को जिला निर्वाचन पदाधिकारी अनन्य मितल द्वारा जिले में द्वाइंड (शुक्र विवर) संघित किया गया है। शुक्र विवर में पूर्णी सिंहभूम जिला के सभी खुदरा उपासनाएँ, होटल, रेसरंग एवं बार सहित अन्य उत्पाद अनुसूचि प्राप्त परिसर पूर्णित: बद्द रहेंगे तथा किसी प्रकार के होटल, रेसरंग, बार, भोजनालय, पाकशाला, दुकान तथा शारब बेने या परोसने वाले प्रतिशत में अथवा जिला की सार्वजनिक स्थल पर कोई भी सिंहभूम, मादक लिकिया या वैसी प्रकृति का कोई अन्य पदार्थ न तो विवर किया जायेगा, न परोसा जायेगा और न ही बाटा जायेगा।

डीसी-एसएसपी ने लिया

मतगणना केंद्र का जायजा

जमशेदपुर। 09- जमशेदपुर

संसदीय निर्वाचन को लेकर

मतगणना का कार्य 4 जून सुबह 8

बजे से को-ऑपरेटिव कॉलेज

जमशेदपुर में होगा। मतगणना की

तैयारी का जायजा लेने जिला

निर्वाचन पदाधिकारी अनन्य मितल

एवं वीरेपुलिस अधीक्षक किशोर

कौशल द्वारा को-ऑपरेटिव कॉलेज

पहुंचे। इस दौरान उन्होंने सुरक्षा से

लेकर मतगणना के कार्य को

शानिवार, पावसारी व निष्पक्षता के

साथ संपन्न कराने को लेकर

व्यवस्था की बारीकी से जांच की।

टाटा स्टील के दिनेश व

शहनवाज ने दिये एसडीपी

जमशेदपुर।

भीषण गर्मी में जब पानी

की किलता है, ऐसे समय में रक्त

का दान आपने आप में एक

संवेदनशील व्यक्तित्व की पहचान को

बताता है। रेड क्रॉस सोसाइटी, पूर्णी

सिंहभूम के एसडीपी रक्तदान

अभियान के प्रभारी प्रभुनाथ रिंग के

संकरण के कारण इस गर्मी में

जलरसायनों को रक्त कंपोनेट के

महत्वपूर्ण घटक प्लेटलेट्स की

आपूर्ति जलसर नहीं पर जी रही

है। आज इस कड़ी में टाटा स्टील

कर्मी दिनेश कुमार सिंह ने जहां

अपना 9वां एसडीपी दान किया।

100 नवजात शिथ्याओं को

इनरहील ने दिये उपहार

जमशेदपुर। इनर हील लेल के

शतार्द्धी वर्ष का जनन मनाने के लिए

इनरहील ऑप जमशेदपुर इंस्ट के

सदस्यों ने बिहुपुर के साउथ पार्क

रिथ तथा साई सीजीवी हाईस्पिटल

(मातृ एवं शिवु देवेखाल) से डिस्ट्राई

हुए 100 नवजात शिथ्याओं को लेल के

नाम, इनर हील लोगों एवं आर्शीवाद

संदेश के साथ 100 उपहार दान

किये। चूंके प्रयोक नहीं बचे का

आगमन परिवार में सभी को खुशी से

भर देता है, बाइंग के इस अनुरूप

प्रोजेक्ट के माध्यम से लेल के

संकरण के कारण इस गर्मी में

जलरसायनों को रक्त कंपोनेट के

महत्वपूर्ण घटक प्लेटलेट्स की

आपूर्ति जलसर होने पर की जी रही

है। आज इस कड़ी में टाटा स्टील

कर्मी दिनेश कुमार सिंह ने जहां

अपना 9वां एसडीपी दान किया।

संस्थापक

स्व. डॉ अभ्यु कुमार सिंह

स्वामित्व वन्दा नीडिया

पब्लिकशेस्न

प्राइवेट लिमिटेड के लिए

मुद्रक, प्रकाशक

मंजू सिंह

द्वारा विनियोगी, बोडेया रोड, रंगी

(जारीखंड) से मुद्रित एवं

प्रकाशित।

संपादक

अविनाश ठाकुर*

फोन: 95708-48433

पिन: -834006

e-mail

khabarmantra.city@gmail.com

R.N.I No.

JAHAIN/2013/51797

*पीआरबी एक के अंतर्गत खबरों

के चयन के लिए उत्तरदायी।

प्रकाशित खबरों से संबंधित

किसी भी विवाद का निपटारा

रांची न्यायालय में ही होगा।

बिद्युत महतो की होगी हैट्रिक या समीर लहरायेंगे परचम, फैसला आज

खबर मन्त्र व्यूरो

जमशेदपुर। मतगणना की तिथि 04

जून को जिला निर्वाचन पदाधिकारी

अनन्य मितल द्वारा जिले में द्वाइंड

(शुक्र विवर) संघित किया गया है।

शुक्र विवर में पूर्णी सिंहभूम जिला

के सभी खुदरा उपासनाएँ,

होटल, रेसरंग एवं बार सहित अन्य

उत्पाद अनुसूचि प्राप्त परिसर पूर्णित:

बद्द रहेंगे तथा किसी प्रकार के

होटल, रेसरंग, बार, भोजनालय,

पाकशाला, दुकान तथा शारब बेने

या परोसने वाले प्रतिशत में अथवा

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने

नियोगी सार्वजनिक स्थल पर कोई

भी सिंहभूम, मादक लिकिया या

वैसी प्रकृति का कोई अन्य पदार्थ न

तो विवर किया जायेगा, न परोसा

जायेगा और न ही बाटा जायेगा।

डीसी-एसएसपी ने लिया

मतगणना केंद्र का जायजा

मतगणना का कार्य 4 जून

सुबह 8

बजे से को-ऑपरेटिव कॉलेज

जमशेदपुर में होगा। मतगणना की

तैयारी का जायजा लेने जिला

निर्वाचन पदाधिकारी अनन्य मितल

एवं वीरेपुलिस अधीक्षक किशोर

कौशल द्वारा को-ऑपरेटिव कॉलेज

पहुंचे। इस दौरान उन्होंने सुरक्षा से

लेकर मतगणना के कार्य को

शानिवार, पावसारी व निष्पक्षता के

साथ संपन्न कराने को लेकर

व्यवस्था की बारीकी से जांच की।

टाटा स्टील के दिनेश व

शहनवाज ने दिये एसडीपी

जमशेदपुर।

भीषण गर्मी में जब पानी

की किलता है, ऐसे समय में रक्त

का दान आपने आप में एक

संवेदनशील व्यक्तित्व की पहचान को

बताता है। रेड क्रॉस सोसाइटी, पूर्णी

सिंहभूम के एसडीपी रक्तदान

अभियान के प्रभारी प्रभुनाथ रिंग के

संकरण के कारण इस गर्मी में

जलरसायनों को रक्त कंपोनेट के

महत्वपूर्ण घटक प्लेटलेट्स की

आपूर्ति जलसर होने पर की जी रही

है। आज इस कड़ी में टाटा स्टील

कर्मी दिनेश कुमार सिंह ने जहां

अपना 9वां एसडीपी दान किया।

दलमा में आग लगाने के आरोप में दो

वाहन व गैस सिलेंडर जब्त

करने वाले को जायजा

मतगणना का कार्य 4 जून

सुबह

